मोबाइल टावरों से नेटवर्क डिवाइस चुराने वाली गैंग का खुलासा, आठ गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 लाख रुपये व करीब दो करोड़ की कीमत के चुराए गए आरआरयू डिवाइस बरामद किए हैं, जिन्हें विदेश में बेचने की फिराक में थे

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने मोबाइल टावर से आरआरयू नेटवर्क डिवाइस चुराने वाली गैंग का खुलासा करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस ने भीलवाड़ा, राजसमन्द, चितौड़गढ़ तथा राजस्थान व मध्यप्रदेश की 100 से अधिक वारदातों का भी खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 लाख रुपये व करीब दो करोड़ की कीमत के चुराए गए डिवाइस बरामद किए हैं, जिन्हें आरोपी विदेश में बेचने की फिराक में थे।

प्रताप नगर थाना प्रभारी गजेंद्रसिंह नरूका ने बताया कि गत 13 सितंबर को थाने पर इण्डस कम्पनी के सिक्योरिटी सुपरवाईजर राजेन्द्र सिंह ने एक रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मानसरोवर झील के पास एयरटेल कम्पनी का टॉवर लगा हुआ है। जिस पर लगे आरआरयू नेटवर्क डिवाइस चोर चुरा ले गये। इस रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने जिले में बढ़ती मोबाइल टावर की आरआरयू डिवाइस चोरी की वारदातों पर अंकुश के लिए एएसपी पारस जैन के निर्देशन व डीएसपी सिटी मनीष बड़गुर्जर के सुपरविजन में एक टीम गठित की। पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरु की। साइबर सेल ने सभी घटनास्थल के 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों एवं बीटीएस के विश्लेषण से वारदात में शामिल गैंग के मुख्य सरगना सहित सभी आरोपियों को नामजद कर गिरफ्तार करने के प्रयास शुरू किए। कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार इस गैंग से छह आरआरयू नेटवर्क डिवाइस बरामद किये गये।

पुलिस ने मोबाइल टावर से आरआरयू नेटवर्क डिवाइस चुराने वाली गैंग का खुलासा किया।

पुलिस ने शिवलाल शर्मा पुत्र गोपाल शर्मा निवासी उदलियास थाना कोटड़ी, नीरज उर्फ गोपाल पुरोहित निवासी ढोकलिया, अनिल पुत्र कैलाश चन्द्र खटीक निवासी आकोला थाना बड़लियास, भंवर खारोल पुत्र भैरू लाल उदलियास, अतुल तिवाड़ी पुत्र गोपाल लाल निवासी ढोकलिया, गौतम शर्मा पुत्र पप्पु लाल ढोकलिया, शिवलाल पुरोहित पुत्र सत्यनारायण ढोकलिया और जित्या निवासी चन्द्रप्रकाश उर्फ रोशन शर्मा पुत्र मूलचन्द को गिरफ्तार कर करीब दो करोड़ की कीमत के चुराए गए डिवाइस बरामद किए हैं, जिन्हे आरोपी विदेश में बेचने की फिराक में थे।

पिकअप के पलटने से तीन घायल

गंभीर रुप से दो घायलों को जयपुर रैफर किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी-जयपुर मेगा हाईवे सड़क मार्ग स्थित कोयला के पास मंगलवार को एक पिकअप की कमानी में से पार्ट्स निकलने से पिकअप पलट गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए एम्बुलेंस की सहायता से गंगापुर सिटी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रेफर कर दिया।

पिपलाई निवासी शहजाद (35), इस्लाम (32) और समीर पिकअप से पिपलाई से गंगापुर सिटी कबाड भरने आ रहे थे। इस दौरान कोयला के पास अचानक पिकअप की कमानी में से पार्ट्स (कटोरी) निकलने से पिकअप पलट गई। जिससे शहजाद, इस्लाम घायल हो गए, जबकि समीर को मामूली चोट आई। इस दौरान घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाद में एम्बुलेंस की सहायता से तीनों को गंगापुर सिटी के जिला अस्पताल में लाया गया, जहां शहजाद और इस्लाम को गंभीर चोट आने पर उन्हें जयपुर रेफर कर दिया। समीर को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

गंगापुर सिटी के राजकीय चिकित्सालय में घायलों का उपचार किया।

महेंद्र का शव जोधपुर लाया जाएगा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के प्रताप नगर कच्ची बस्ती निवासी रमेश जीनगर के पुत्र महेंद्र राठौड़ की 19 अक्टूबर को अफ्रीका के कांगो शहर में मौत हो गई। परिजनों ने शव जोधपुर मंगवाने के लिए सरकार से गुहार लगाई। वहीं राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका न्यूयॉर्क (राना) के अध्यक्ष प्रेम भंडारी को भी पत्र लिखा। इस पर प्रेम भंडारी ने जल्द ही शव जोधपुर भिजवाने को लेकर आश्वस्त किया। भंडारी ने बताया कि इसके लिए उन्होंने विदेश मंत्रालय के इकोनॉमिक रिलेशन सेक्रेट्री दामु रवि से भी संपर्क किया और बात कर शव को जोधपुर भिजवाने की प्रक्रिया में जुट गए है।

मोहन मेघवाल को अंतिम विदाई दी

जोधपुर, (कासं)। पूर्व राज्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता मोहन मेघवाल को मंगलवाद दोपहर अंतिम विदाई दी गई। उनकी पार्थिव देह का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व राज्यमंत्री मोहन मेघवाल का सोमवार को दोपहर में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। उनकी अंतिम यात्रा प्रतापनगर स्थित यूआईटी कॉलोनी से रवाना होकर सूरसागर बायपास पर स्थित मेघवाल श्मशान घाट गई। उनकी अंतिम यात्रा में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, शहर विधायक अतुल भंसाली, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जगतनारायण जोशी सहित कई भाजपा नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने मोहन मेघवाल के शव को कंधा भी दिया। जानकारी के अनुसार भाजपा के साथ स्थापना के समय से ही जुड़े वरिष्ठ नेता मोहन मेघवाल ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत एक छोटे से कार्यकर्ता के रूप में की थी। वे 1977 में नगर विकास न्यास के सदस्य बनाए गए। इसके बाद वे कई अहम पदों पर रहे। उनके पुत्र और भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री महेन्द्र मेघवाल ने बताया कि 1980 से 89 तक वे लगातार भाजपा के जिलाध्यक्ष रहे।

निःशुल्क हेलमेट वितरण किए

जयपुर। सड़क सुरक्षा के महत्व को प्रोत्साहित करते हुए सोमवार को रोड सेफ्टी लाइन द्वारा छठवें निःशुल्क आईएसआई प्रमाणित हेलमेट वितरण शिविर का आयोजन राजा पार्क स्थित भाटिया भवन में किया गया। इस अवसर पर प्रादेशिक परिवहन अधिकारी (प्रथम) राजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि समाजसेवी सुभाष आर्य ने कार्यक्रम को प्रायोजित किया। शिविर के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से रोजगार के लिए शहर आने वाले व्यक्तियों और दोपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 15 लड़कियों सहित कुल 100 हेलमेट वितरित किए गए। इस अवसर पर शेखावत ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल का कारावास

जालोर, (कासं)। पॉक्सो न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने मंगलवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी महेन्द्रसिंह को बीस साल के कारावास की सजा सुनाई।

प्रकरण के अनुसार पीड़िता के भाई ने पुलिस थाना में रिपोर्ट पेश कर बताया कि उसकी नाबालिग बहन महेन्द्र पुत्र जगदीश कुमार विश्नोई की मेडिकल की दुकान पर दवाई व सामान खरीदने जाती थी। करीब 6-7 महिने पूर्व उसकी बहन महेन्द्र की दुकान पर दवाई लेने गयी। उस दौरान उसने उसे बहला फुसलाकर दुकान के अंदर ले गया। उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बनाकर वायरल करने का डर बताकर उसकी बहन के साथ दो तीन बार दुष्कर्म किया। जिस पर उसकी बहन ने महेन्द्र की दुकान पर जाना बंद कर दिया।

महेन्द्र उसकी बहन पर गंदी नजर रखता था और उसके अकेली देखकर दुष्कर्म करने की नियत से जबरन उनके घर में घुसा व उसकी बहन के साथ जबरन बलात्कार करने लगा। उसकी बहन ने विरोध किया तो उसकी बहन के साथ मारपीट की। उसकी बहन के चिल्लाने पर उसकी चाची दौड़कर आयी और उसने महेन्द्र से छुड़ाया। इसके बाद उसकी मां भी आ गई तथा महेन्द्र मौका देखकर भाग गया। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी महेन्द्रसिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा।

पुलिस ने बाद अनुसंधान आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने महेन्द्र सिंह को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का दोषी मानते हुए बीस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वही दस हजार रूपये के अर्थदण्ड से भी दण्डित किया। सरकार की ओर से पैरवी विशिष्ट लोक अभियोजक रणजीतसिंह राजपुरोहित ने की।

28 लाख की बोरिंग मशीन चुराई

अजमेर, (कासं)। अजमेर में चोरों के हौंसले बुलंद होने जा रहे हैं। सूने मकानों के साथ दुकानों के बाहर खड़े वाहन भी अब सुरक्षित नहीं हैं। अज्ञात शातिर नकबजनों ने आदर्शनगर थाना क्षेत्र में एक बोरिंग कारोबारी के ऑफिस के बाहर खड़े 22 लाख रुपए कीमत का कम्प्रेशर और 6 लाख रुपए कीमत के ट्रैक्टर को चुरा लिया। पीड़ित ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। बोरिंग कारोबारी कमलेश जैन बताया कि आदर्शनगर आड़ी पुलिया के पास उनका ऑफिस है। ऑफिस के बाहर बोरिंग के नए वाहन खड़े थे। सोमवार देर रात को अज्ञात चोर उनके आफिस के बाहर खड़े वाहनों को चुराकर ले गए। कारोबारी की शिकायत पर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने आस पास लगे सीसी टीवी कैमरे खंगाले है। इलाके के संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है।

समाजसेवी गीगराज सारस्वत की मूर्ति का अनावरण

पंडित गीगराज सारस्वत ने लगभग सौ वर्ष पूर्व इच्छा मृत्यु का वरण किया था

रतनगढ़ में समाजसेवी गीगराज सारस्वत की मूर्ति का विधिवत अनावरण किया गया।

रतनगढ़। समाजसेवी गीगराज सारस्वत की मूर्ति का रतनगढ़ के वार्ड नंबर 28 में स्थित गींदड़ चौक में विधिवत अनावरण किया गया।

पंडित गीगराज ने लगभग सौ वर्ष पूर्व इच्छा मृत्यु का वरण किया था। पंडित पंकज आत्रेय के सानिध्य में वैदिक मंत्रों के साथ मुख्य यजमान और उनके प्रपौत्र संजय सारस्वत के बेटे राहुल सारस्वत ने पूजा-अर्चना की व पांच वर्षीय बालिका दर्शिका शर्मा ने विधिवत रूप से मूर्ति का अनावरण किया। जानकारी के अनुसार स्व. पंडित गीगराज ने अपने जीवनकाल में समाज सेवा के अनेक उल्लेखनीय कार्य किये।

उन्होंने सार्वजनिक धर्मशाला, मंदिर, कुआं सहित गायों के लिए पानी-चारे की व्यवस्था के साथ पीपल के अनेक वृक्ष लगाए थे। पंडित सारस्वत गींदड़ नृत्य के बड़े शौकीन थे। यह स्थान वर्तमान में गीगजी चौक के नाम से प्रसिद्ध है। इस अवसर पर नंद किशोर भार्गव, कुन्दन मल आत्रेय, अनंत राम माली, ओम प्रकाश टांक, संजय सरस्वत नरेंद्र शर्मा, प्रमोद स्वामी, जगदीश बाबरेवाल, भगवती प्रसाद चोटिया, राजकुमार चौधरी, दिनेश हरितवाल, चुन्नीलाल सारस्वत, अजय सारस्वत, शंभू सारस्वत, ललित आत्रेय सहित अनेक गणमान्यजनों ने पं. सारस्वत के योगदान को याद करते उनकी मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। गीगराज के वंशज अजय सारस्वत ने हाल ही आंगनबाड़ी के संचालन के लिए 812 वर्गगज भूमि दान में दी थी।

सी.ई.टी. (सीनियर सेकेंडरी लेवल) परीक्षा शुरू

जोधपुर/अजमेर, (कासं)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) सीनियर सेकेंडरी लेवल का आयोजन आज से शुरू हो गया जो 24 अक्टूबर तक किया जाएगा। इन तीन दिन में यह परीक्षा 2 पारियों में यानि कुल 6 पारियों में आयोजित होगी। पहली पारी सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पारी की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक होगी। जोधपुर में इस परीक्षा के सफल संचालन के लिए कड़े बंदोबस्त किए गए। जोधपुर, जयपुर, अजमेर समेत प्रदेश के 28 जिलों में इस परीक्षा का आयोजन किया गया।

परीक्षा के पहले दिन मंगलवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों से अलग-अलग नजारे देखने को मिले। एंट्री के दौरान कड़ी सुरक्षा जांच और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद स्टूडेंट्स को प्रवेश दिया गया। महिला परीक्षार्थियों के गहने उतरवा दिए गए, तो कहीं पर पुरूष उम्मीदवारों को पूरी बांह की शर्ट होने पर प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षा के पहले दिन परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा के माकूल इंतजाम देखने को मिले। उम्मीदवारों को कड़ी चैकिंग से गुजरना पड़ा। यहां सुबह साढ़े सात बजे से परीक्षा केंद्र पर एंट्री दी गई। इससे पहले उम्मीदवारों की कड़ी चैकिंग की गई। यहां परीक्षा केंद्रों पर महिलाओं को कान के कुंडल, मंगलसूत्र, बालों की क्लीप सहित सभी धातु की वस्तुएं बाहर रखवाकर प्रवेश दिया गया। इसी तरह पुरूष उम्मीदवारों को पूरी बांह की शर्ट, कलाया उतरवाकर प्रवेश दिया गया।

जयपुर के एक केन्द्र पर सीईटी परीक्षा देकर बाहर आते परीक्षार्थी।

अजमेर जिला मुख्यालय पर सीईटी परीक्षा शुरू :- राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित सीईटी-2024 (सीनियर सैकंडरी लेवल) परीक्षा मंगलवार से अजमेर जिला मुख्यालय के 53 परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुई। अजमेर के परीक्षों केंद्रों पर करीब 27 हजार 550 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए हैं। दो शिफ्टों में आयोजित होने वाली परीक्षा में पहली शिफ्ट में 13 हजार 775 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा समय से एक घंटे पहले सघन जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। सीईटी परीक्षा 2024 मंगलवार को पहली पारी में आयोजित परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू हुई। परीक्षार्थियों को सुबह 8 बजे तक ही प्रवेश दिया गया। प्रवेश के दौरान सघन तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया गया। इसी प्रकार दूसरी पारी दोपहर 3 से शाम 6 बजे आयोजित की गई। दूसरी पानी में भी दोपहर 2 बजे तक ही प्रवेश दिया गया।

- कड़ी जांच के बाद एंट्री दी, छात्राओं के जेवर उतरवाए

अजमेर में परीक्षा केंद्रों पर निरीक्षण और परीक्षार्थियों पर निगरानी रखने के लिए 9 उडन दस्ते बनाए हैं। नोडल अधिकारी वंदना खोरवाल बताया कि 53 केंद्रों के लिए उडन दस्ते गठित किए गए हैं।

अजमेर में रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल से मरीज परेशान

अस्पताल प्रशासन का व्यवस्थाएं सुचारू होने का दावा

अजमेर, (कासं)। गत दो दिनों से रेजीडेंट डॉक्टर्स के हड़ताल पर चले जाने से संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था लडखड़ा रही है, तो वहीं अस्पताल प्रशासन का दावा है कि वैकल्पिक व्यवस्थाओं से अस्पताल आने वाले मरीजों के इलाज में हड़ताल का कोई असर नहीं पड़ रहा है, जबकि हकीकत यह है कि अस्पताल में आने वाले मरीजों का परेशानी उठानी पड़ रही है।

रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के बैनर तले अजमेर संभाग के जेएलएन अस्पताल के सभी रेजीडेंट डॉक्टर्स संपूर्ण कार्य बहिष्कार के साथ हड़ताल पर हैं। मंगलवार को भी आपातकालीन विभाग के बाहर एकत्रित हुए रेजीडेंट डाक्टरों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दिलराज मीणा ने बताया कि जब तक उनकी आठ सूत्रीय मांगों पर सरकार विचार नहीं करेगी, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। रेजीडेंट की हड़ताल के चलते अस्पताल के आउटडोर में आने वाले मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। आउटडोर में मरीजों की लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई, चिकित्सक को दिखाने के लिए अपनी बारी का घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

जेएलएन अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने बताया कि एमडी और एमएस के रेजीडेंट हड़ताल पर हैं, जबकि एसआर, मेडिकल ऑफिसर, जूनियर रेजीडेंट और फैकल्टी मैंमर्स को व्यवस्थाओं जिम्मेदारी सौंपी गई है। ओपीडी, आईपीडी की व्यवस्थाएं पूर्व की भांति संचालित है। ओपीड़ी में 5 हजार से अधिक मरीजों को चिकित्सकों द्वारा जांच कर दवाई लिखी गई है, जबकि 334 से अधिक मरीज को भर्ती किया, 45 मेजर और माइनर ऑपरेशन किए गए।

रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल जारी, सीनियर डॉक्टरों ने कमान संभाली

जोधपुर, (कासं)। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रही। उन्होंने मंगलवार को भी संपूर्ण कार्य बहिष्कार किया। इस हड़ताल के कारण कॉलेज से संबद्ध एमडीएम, एमजीएच, उम्मेद व केएन टीबी एंड चेस्ट हॉस्पिटल में व्यवस्थाएं पटरी से उतर चुकी है। हालांकि ओपीडी व इमरजेंसी में सीनियर डॉक्टरों ने कार्य संभाला है लेकिन मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टरों के अभाव में वहां मरीजों की लंबी लाइनें लग गई हैं।

जानकारी के अनुसार दो माह पहले राज्य सरकार के साथ हुए समझौते की शर्तों की पालना नहीं होने के विरोध में पूरे राजस्थान के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टर तीन दिन से हड़ताल पर हैं। इसमें जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर भी इसमें शामिल हैं।

बिजली विभाग की लापरवाही का दंश झेल रहे एक ही परिवार के तीन बच्चे

बिजली विभाग की लापरवाही से मकानों में फैले करंट से तीन बच्चे झुलस गए थे

अलवर, (निसं)। बिजली विभाग की लापरवाही से मकानों में फैले करंट से एक ही परिवार के तीन बच्चे झुलस गए, जिनमें एक बच्चा तो विकलांग हो गया, वहीं दो बच्चों की जिन्दगी खराब हो चुकी है। गरीब परिवार मुआवजे के लिए पिछले एक साल से भटक रहा है लेकिन उन्हें मुआवजा आज तक नहीं मिला है। ना ही पुलिस ने अभी तक बिजली विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

सावडी ग्राम पंचायत अंतर्गत पड़ने वाले गांव सूकल की राम नगरी कॉलोनी में 23 सितंबर 2023 को विद्युत विभाग की लापरवाही से उमरैण जीएसएस की डीपी से 11 हजार केवी का करंट घरों में प्रभावित हो गया जिसके चलते गांव के प्रीतम सिंह पुत्र गोरेलाल जागा के घर में रखे सभी विद्युत उपकरण जल गए उनमें आग लग गई। वहीं तार टूटकर कूलर के पास गिर गया था, वहीं परिवार के तीन बच्चे रघुनंदन, इन्द्रेश और दिव्यांश खेल रहे थे जो अचानक तार टूटने व घर में आग लगने से घबरा गयो उनमें से किसी ने कूलर को छू लिया। कूलर को छूते ही बच्चे को करंट ने पकड़ लिया। एक-दूसरे को बचाने में तीनों बच्चे बुरी तरह से झुलस गए। जैसे ही परिवार को पता चला तो पास ही खेतों में काम कर रहे परिजन वहां आए और बच्चों को लेकर तुरंत अस्पताल पहुंचे लेकिन बच्चों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जयपुर रैफर कर दिया गया। इस बीच प्रीतम सिंह विद्युत विभाग के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने अकबरपुर थाने पहुंचे तो वहां मौजूद थानाधिकारी ने उन्हें कहा कि भाई एफआईआर तो हो जाएगी आप बच्चों को सम्भालों। सूचना मिलते ही अकबरपुर थाना पुलिस और उमरैण जीएसएस के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और परिवार को विद्युत विभाग की तरफ से आश्वासन दिया कि आपके सारे खर्चे एवं क्षतिपूर्ति विभाग करेगा। आप तो सिर्फ अभी बच्चों के उपचार पर ध्यान दो। अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिवार बच्चों की देखभाल में लग गया और वे ठीक होकर घर लोट आए इस बीच काफी समय गुजर गया।

एक ही परिवार के पीड़ित बच्चे।

- बिजली विभाग आश्वासन के बाद मुआवजा देने से मुकरा, पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से इंकार किया

वहीं तीनों बच्चों में से दो बच्चे घर पर मिले, जिसमें रघुनंदन की गर्दन टेढ़ी हो चुकी है। वह एक पैर से विकलांग एवं मानसिक संतुलन खो बैठा है। वहीं छोटी बच्ची इन्द्रेश जिसके सिर पर करंट ऐसा लगा कि आधे सिर की खाल (त्वचा) ही जला डाली, उसकी अन्य जगह की खाल को सिर पर लगाया गया जिससे उसके सिर पर बाल नहीं है।

वहीं तीसरा बच्चा दिव्यांशु कहीं बाहर गया था उसकी भी हालत इसी प्रकार बताई गई है। गरीब जागा परिवार जो मजदूरी करके पेट पालता है उसने पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारियों पर विश्वास कर लिया लेकिन अभी तक ना तो उन्हें किसी प्रकार का मुआवजा विभाग ने दिया बल्कि गरीब परिवार अधिकारियों के आश्वासन के चलते कर्ज में और डूब गया और अब विभाग के अधिकारी मुआवजे के अपने वादे से मुकर गए हैं वहीं समय ज्यादा होने के बाद पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज करने से इंकार कर दिया।